

DPN 5559

Title : चजा सफू / CAJĀ SAPHŪ

Run. No. 6250

Cat. No.

Micro. No.

Subject चजा सफू / carya song

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 23 x 8

Folios 16

Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator Bandhu Datta ācārya

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS 839

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuja. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water / खः देवेया कुँ चने दुईरु / left hand side corner edges damaged.

Beginning, colophon, post-colophon :

पाठ नमूना / Test Specimen

संकीर्तयंती तव नाम महानुभाव, रात्रौ दिवा च तव नामनुस्मंति ॥
दुस्वप्न विघ्न भय पाप विनाशयन्ति । तुङ्गानु देवे सतांस्तव रक्षन्ति ॥ ॥

जम्ह ~~मुखा~~ पुहरवने, लोकेस्वरया प्रभाव स्व, दिवर्तना याड. व्हायुव जुरो, ..
दिनसं रात्रीसं, दल्लफेरया नाम सुमाना याकम्हया स्वप्नस मन्दिड. रवडा,
जाना विघ्न भय, समस्त पाप नस्त जुर, स्वप्न मनुअया देवलोक्क,
समस्त, सीतोरव यां, द्रपोस्मनं लक्षा यात ॥ २२ ॥

इति श्रीमत् श्री २ आम्भविरोक्तिरेव महारकाय, कंधु दत्त वजाचार्य कृतं
कृष्ण हलव सोत्र समाप्त ॥ ॥ ॥

lost colophon / समाप्तिवाक्य

सम्मत १३९ वैशाख शुक्ल पुर्नमासि दुर्ग शुक्ल कृष्ण हलवो, सोत्र, सिधयका
गो शुक्ल ॥

टिप्पणी / Remark

थुकी कर्मा के व कृष्ण हलव सोत्र पाठ व डकीमा नेपालगञ्ज भुवना पाठ नै हु ।

15

10

5

0

centimeter

5

10

15

20

25



15

10

5

0

centimeter

5

10

15

20

25

15

नमो नमो नमो ॥ २ ॥ ज्ञानं वदन्तं मया उच्यते यं वा उच्यते यत्ति ज्ञानं
 ध्यात्वा रससन्तः प्रोक्तं यत्ति यत्ति वदन्ति ज्ञानं वदन्तः वा उच्यते यत्ति रससन्तः
 ॥ ३ ॥ ज्ञानं वदन्तं मया उच्यते यत्ति यत्ति वदन्ति ज्ञानं वदन्तः वा उच्यते यत्ति रससन्तः
 ज्ञानं वदन्तं मया उच्यते यत्ति यत्ति वदन्ति ज्ञानं वदन्तः वा उच्यते यत्ति रससन्तः ॥ ४ ॥
 ज्ञानं वदन्तं मया उच्यते यत्ति यत्ति वदन्ति ज्ञानं वदन्तः वा उच्यते यत्ति रससन्तः

10

5

0

Centimeter

5

10

15

20

25

15

10

5

0

Centimeter

5

10

15

20

25

...सूत्रं समांतरं नूतनं सर्वं कृत्वा यथा कृत्वा दधिमिति ययनं
 ला॥ २ ॥ निरुद्धं नूतनं कृत्वा ययनं यथा कृत्वा निरुद्धं नूतनं कृत्वा दधिमिति
 आरुद्धं नूतनं कृत्वा ययनं यथा कृत्वा निरुद्धं नूतनं कृत्वा दधिमिति ययनं
 यथा कृत्वा ययनं ॥ ३ ॥ अहिनितं सतं गुरुत्वा यथा कृत्वा ययनं दधिमिति
 यथा कृत्वा ययनं सतं गुरुत्वा यथा कृत्वा ययनं दधिमिति ययनं

...
 ...
 ...

नियमं कृत्वा ॥ ... यथा कृत्वा ययनं दधिमिति ययनं
 ... यथा कृत्वा ययनं ॥ ... यथा कृत्वा ययनं दधिमिति ययनं
 ... यथा कृत्वा ययनं ॥ ... यथा कृत्वा ययनं दधिमिति ययनं
 ... यथा कृत्वा ययनं ॥ ... यथा कृत्वा ययनं दधिमिति ययनं

विश्वविद्यालय

नानिह्ययनकायि२मणिक्कलवदियावःउदियातसमाय॥ ॥साङ्गु
 यवद्यावकयियागाला२यन्दसूर्यदयिपकनरुता॥ ॥रुतयि
 यताविहमकद्वयिना२नययतायिसाङ्गउरुयसयमाता॥ ॥
 यागज्ज्वायलैयवि॥विदिविद्विद्वन्मयायिसिद्विद्वन्मयायिसि
 सुवगलरुवतकुककयन्म॥ ॥नार्येयनतामिहासम्ययविवा२वकाय

315

॥ गिनी वनि व. मास सूरु कृष्ण गम या ॥ ॥ वरु या यदि अवि सं
 लकृष्ण कृष्ण सवित्र व सहाय ॥ ॥ राम कृष्ण न वि व मास सूरु कृ
 ष्ण कृष्ण न या य न या य वि व न ॥ ॥ दाद सूरु कृष्ण वः या वि व उ व
 द न र ति व सहा य. ग. ग. ग. कृष्ण श वि ना ॥ ॥ या ग वि रा स ॥ उ दि ना
 न व व यि या. य व न कृष्ण व व सूरु कृष्ण मास कृष्ण न ना ॥ ॥ य व कृष्ण

15

10

5

0

Centimeter

5

10

15

20

25

श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः

२ व व सह दाम कं का न नार ॥ ॥ व रु व निसं न व वृक्ष र ज्वर व यति
 वं न न मा क य दाना ॥ ॥ दिन क व सं लु व म धा ग नार क व न म न व स स व
 वं कृ ना ॥ ॥ द म्मा ज्ञा नि रु या यति नि रु नार क द्या सू व न व सित व न सि ना
 ॥ ॥ गा व न व य न य वि रु व रु ग नार व क द्या व दि रु रु गी व न सि ना
 ग ग यं व म्मा क यं द्या क वि रु व व व गी र स य व म्मा व क ग न उ धा व ति ॥ ॥

न रु रु ग यति द्या क म न म दि सं लु व न य व न व नं व नं का व र रु उ
 म ज्ञा रु व न वि रु व न म र व व वं लु उ व गानि नि नि नि नि न य नि नि न य ना
 ॥ ॥ क व नि व ये व गानि व व रु व न व सि व मा व र क रिव र व की ग म क न क म्मा ॥
 ॥ नि व स सि धू व वा क रु व रु नार क म्मा वि क य व ना म्मा सा रु गी रु व या म्मा
 ॥ ग ग व रु गी ॥ ॥ व कि क रु व क रु व वा व क म र व व रु वि न गि व व

गङ्गाजिज्ञ

१ गङ्गा रं प वि गङ्गा जिल उर्द्ध सा थ प रि या क म ल कू लि ङ
अ क वा लि श उ म नू क न गी क ० न गी गू ला वा म ख खां ग क वा
ला ॥ ॥ ग्रा स म्वा या वा चू लि र क र ग र लि ना र मा न यि न चा य
यि या न मा या सा स्वर व म्वा लि ना ॥ ॥ वा ग वृ क्क म्नु वा म स्वा
थः प रि या दू न न मि न मा ला र नी ल उ लि त ला रि न क न का

रा व व म्नु र अ रि वि क या ला ॥ ॥ अ लि ट य द र ल व न चा र्वा या न
का लि ना रि रा म म्वा र वि स्र कू लि ङ अ स्त्र व न्द्र ग र श न वा य
व न म व ठ म्वा ॥ ॥ चू नि ङ वि न वि न श्व न न्ना य क नि नि क्क म्वा
वि ना र क र ल गू द्वा न वि न वि न श्व न र र ग यि स य न र्म सा ना ॥ ॥

15

10

5

0

Centimeter

5

10

15

20

25

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ श्यामा गणेशाय नमः ॥ कृष्णवर्णं कृष्ण
 ॐ गणेशाय नमः ॥ २ ॥ गणेशाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ गणेशाय नमः ॥ ३ ॥ गणेशाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ गणेशाय नमः ॥ ४ ॥ गणेशाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ गणेशाय नमः ॥ ५ ॥ गणेशाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कृष्णाय नमः
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मदनमोहनः सख्यलयायाश्च नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्यामा गणेशाय नमः ॥ २ ॥ गणेशाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 गणेशाय नमः ॥ ३ ॥ गणेशाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 दमनगणेशाय नमः ॥ ४ ॥ गणेशाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 रुनाश्च नमः ॥ ५ ॥ गणेशाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

15

10

5

0

Centimeter

5

10

15

20

25

पुष्पम

पुष्पम

लक्ष्मणवत्केदुवातनिनाश्चनयमममममममसविता ॥
॥ किलरुलरुलरुमरुमसुचंदरमिलिरुवननाथनकुसं
वनलाया ॥ ॐ ॥ शचागर्शचवि ॥ यवनमलुलयविजजयः शरुवव
क्षिमलरुयमूरवपिञ्चनयराकादिवानिपूय ॥ ॥ वृंदवलिगृह्ण
रुचरसर्वविद्युनाजयश्चकुमानानः शाजयश्चरामयश्चिन्दरदृष्टचरु

विरुक्तालरास्मिकनूदुरुद ॥ ॥ यंवविजर्जनविजाविष्टितयकेमृगय
यिदियंश्चमिनययंतीतप्रद्वलितं ॐः ज्ञानामृगमयखवा ॥ ॐ ॥
शः ॐ नदजनादजनिदापतिविपञ्चनीश्चकनयिपूरवद्वामानीतः
नगविर्जलषूद्रविज्ज ॥ १ ॥ शचागकनदि ॥ खतयागिनीदविः तीशुवनया
यिनिरविद्युमानुदृष्टदयविनाजनी ॥ ॥ नमामिदविजावजवाचा

5

0

दिश्वद्विदिदिदायनिजगतजननी॥ ॥ पूर्ववजयागिनीचक
 वर्तुलाश्वभानयामिनिदकिनीचवदनि॥ ॥ वायव्यमादिनीद
 विःशतवर्तुलाश्वभिमसंवापिनीचितवर्तुदला॥ ॥ नैऋत्यस
 नाभनीहलितवर्तुलाश्वदक्षिणवर्तुकादिविःषुसवर्तुगी॥ ॥
 चतुर्गुणलकाननायकेमदारचनाश्वसुविजसमूहलवचसंदि

गमया॥ ॥ १९

5

0

नलितगाशूलपवनश्रीमशकुमानाश्वभषयकिंलनसंकाचूनद
 ॥ ॥ दिव्यश्रीमश्वदक्षिणवर्तुकादिविःषुसवर्तुगी॥ ॥
 ॥ वामपूरुसकषेलशुचंगुनायाश्वकृत्प्रशंकाचिनदलायहिन
 ॥ मकषनूललक्षालिता॥ ॥ वक्तव्यमाचल्यवर्तुकादिविःषुसवर्तुगी॥ ॥
 ॥ वायव्यमादिनीहृदयाश्वसुविजसमूहलवचसंदि

Centimeter

5

10

15

20

25

15

10

5

0

cmts.

5

10

15

20

25



15

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

10

5

0

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

Centimeter

5

10

15

20

25

15

10

॥ गत्वा वरुनवान्नयमनाहनाय नैलाकनाथजराय कनसर्व
 सत्वा ॥ इ० ॥ धुव न वस्मनामि विमूकि इ० ॥ नैयमयाधिरुग किलिः
 षर्गनमामि ॥ ॥ अगिस्त्रयामि नैमनाहनाय वननयाव नैलाकया
 रुयनाय कर्नून गइ ० ॥ यदाहाराहारा मडसड्ड थुं कुलपात्रस्य वहुः
 याडा मातुन नैलाकया इ० ॥ यानननै थयिड यमयाधिरुवडा समरुं

5

0

इ० ॥ ययायमाय कूर्क नमस्का न ॥ ६ ॥ त्वयं नलाक गगडक रक्षा वस धीं सु
 विमूर्ख उदन यधे गजि धुमर्ग ॥ इ० ॥ ययीगिगगनील एषी कुलानी नै
 यमयाधिरुवनास कर्लनमामि ॥ ॥ यगलाक याठ थायस करुक्षा या
 स्य विद्या डा व यगलाक या मूयुमिरुन मूरयायाय धठ यगयाथिरुन
 यधे गथिंठ अनयाननयमइन नव एषू यलाक या रुयन विउनया

Centimeter

5

10

15

20

25

15

वराहः थाथेडयमपादीर्षः इडाः यगलोकयाह्मरुधामाचकृष्ण
 नमस्कात ॥ ८ ॥ जन्मोन्नारुद्धध्वनिठिगसर्द्धसत्त्वोसंयियमकन
 रुसवगनदिरिादूर्ध्वसनिनरुगडुद्धर्षाडुनाधां गयमपादिः
 रुगडुद्धर्षानमामि ॥ ॥ थवथिथियल्लकयाडुध्वनशतडास्य
 न्थवनथर्मनन्थथिडयगसर्द्धाडाः थथायसलोकग्यनर्ध्विक्का

10

5

0

Centimeter 5

10

15

20

25

डावलाहगसवाठनलिननदियाडावलाहगयविडनर्ध्वसहायकाः
 डाः यगलोकगोनकन, थाथेडयमपादिर्ध्वः इडाः यानमसर्द्धसनिनदह
 थलयाकृष्ण नमस्कातशना ॥ १० ॥ गत्वागमं डुवनवर्जिगयडुसूर्यः
 विनामनिक्कलिगनत्वयुरायरास। गजकनाकसगध्वनध्वनमसूरु
 गयमपानिगमरुध्वगर्ध्वनमामि ॥ ॥ चडुसूर्ययागदकिनध्वलाक

15

अथ तर्हि विद्यादावथ वक्तव्यं विनाम विद्याया न तन्न सादा ज्ञानाया
न जनः अथ का न माय कू यं न न क स या थ म स थ स या ल विद्यादा
व अथ का न म शय कू थ थि ड य म पानि त्वं स डा विड या डा माय न न
न का या क क्क जन न स्कं ॥ ११ ॥ गत्वा य जन व नि रु म म ना न थ स्य
यदि य न रु ल म नू रु न वि धु पा र्ग । अ म स्य क थ य नि र्ग वि न दान व

10

5

दं गं य म यानि व न धर्म द दं न मा मि ॥ ॥ य न म अथ न त्वं व नि ना डा
स क विद्या दा व जन ग धर्म क थ र न न ने न दान व ड ना र्ग ना स या क
थ थि ड उ य द स ना वि डा ला क अथ न त्वं स डा थ म द या न स्य न ड
म वि व क्क जन स दान म स्कं न रु ला ॥ १२ ॥ गत्वा य जन दे वी
कू द ल द व पू र्ग दान स्य हि न कू थ वि दान दे वि र्ग । गं या र या नि य

0

Centimeter

5

10

15

20

25

नियुक्तसृष्टिर्न त्वं नैव यानि धनवृद्धि कर्तनमामि॥
अथ कादवला क. समस्तं स्रनं याथनायाडानिमित्तं अनगद्य
नत्र त्वदिव थाथिडय स्यादित्वं कडा दानिडय दानिडमरु यकृज
नगदासंयुक्तं याडलारविडा कं नमस्कात्र॥ १३ ॥ नैव कामत्रयसंय
दग्निर्नाकसिंहिकासावस्यनयत्रिगंरयत्राकसिंहिकागस्यविरुय

निवर्जितधर्मविरुं नैव यानि धनवृद्धि कर्तनमामि॥ अन
कत्रकसिनियनिसकं डाडा अगिर्न दत्रियाड कामरात्रय नकसिनि
यनिदकां मारुत्रयं कल थवत्रसत्रकसिनियनिसन थथवभासत्र
त्रसद्यानयायकृद्व धर्मविरुं कृद्व थाथययानिर्वर्यडा नानात्रयय
लत्रयावयिष्ठाकं नमस्कात्र॥ १४ ॥ विनम्रमिर्कमिकाटिसम

रुक्मिणी गता यऊन अत्रिये स नूस्म न कि निष्ठा नि र्ग दून दू नायः
दद नि धर्म गृप द्रवा द्विवरु गागु धर्न न मा मि ॥ ॥ ग्व दू ये न म
ज्य न त्वं रुम नू ये या ठा ठा व स न मू न व्या प ल द ठ वा ठ रु मि स अ
न ग क त्रै का ठि स र्वा या य म ठि व न स वा न वि द्वा ठा व ध कि ठ य र्ग गः
स म र्ग स र्ग न उ म न रु न स ल दू न दू न स न्द या ठा थ ध्व न न क स वाः

उ य नि स न स न व न धर्म उ प द स न वि ठा र्क थ र्थि ठ व द्र वा द्वि ल्व र्थ
डा क ल य र्ग गी न न क स वा न म मा न क र्क न म र्का ॥ १५ ॥ इ रि कः
मा र्ग द वि षा य रु व वृ वृ षि दू रु दू इ ० रु य पि दि न स र्ग स र्वा । ध
न्या दि वि मि व रु वृ हि स मृ द्वि न त्वं न य द्र वा द्वि व न का न्नि क न मा
मि ॥ ॥ यू र्ग स र्गि न नि द अ न वृ षि रु या व रु ठा इ रि क मा या रु

यनः समस्तसत्त्वज्ञायायादीदकायाः ज्ञानमदयाडाः प्यासवाडान्
विदययाडायाडः श्ववल्सञ्जनादृष्टिबर्षावागावकावः वाः श्वः दी
हिठश्चागायत्रार्थः वा घनययकनं सत्त्वनाकं उधनयाकं थर्थिठ
यद्रयादित्वं पडां मरुकाकत्रुक्षयनं कं नमस्कात्रुलो ॥ १७ ॥
वात्रारुश्चकृमत्रुयमहाजवन् उरुगजनवनिर्जं रयत्राकृमि

रि। ज्ञानिनर्गयवनवगमरुगमरुगमर्दः नं चद्रयानिजिनमृष्टः
रयनमामि ॥ लकसिनि यालाहागसः नाकयनिजात्रु मावकन
डावः लाकश्चनसर्न उयदसदयकाडा थवनिजालयनिमनसम
दयानयाय मरुयाडायाड थुसपात्रस्यनयुक्नवगन समदयाः
नयावकल थर्थिठयद्रयानिनाके श्वनर्वडडा मृष्टरुयनडकु

६३ नमः शिवाय नमः शिवाय ॥ १० ॥ नमः शिवाय नमः शिवाय
इह ॥ नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय
नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय ॥ ॥ नमः शिवाय
नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय
नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय

धनं नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय
नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय
नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय
नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय
नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय

15

दृष्टमालसनामसमनसायाडानिगिरिनः अनगरयः नः नः नः
 नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः
 नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः
 नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः
 नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः
 नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः
 नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः

10

गकसवह्यापविनास्यनिः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः
 दृष्टमालसनामक्रियडरयविद्युमदगः यादुरयः अकासवालियाः
 रुयः पिशाचयारयः अकिनियारयः अपदायारयः कूटः आदिः
 नः विजागडरुनः वेनागयाडराडवः नः विरुविषादयाडः अयदाः
 इष्टवः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः नः

5

0

15

नमस्का॥ २० ॥ शुक्राशुमिनि यम धर्म अमाद्य धार्म उरु कनामि
 जिगमिष्टि यव म्म वज्ज । सर्वेषु सम्यजिन साय असवयाय नय मया
 हिवलदाय स दान मामि ॥ ॥ धकनाया शुक्र दाल अरु मि कूक
 थवविरु सूर्य रं उडियाड मनस आदियं गगं रुजा गमयाड
 अमाद्य पासर्व सव नपि वरुना समरु पाय मायक धधिक्र यम पा

10

5

निर्वसडा शुक्र कान अशुमिन दर्शन या डान वनपुष्पादपिव
 र्क धम्रु जैन नमस्का नरुना ॥ २१ ॥ निर्वस नंगुधसमृद्धिगया
 नयै नानाद्र मंमिन करवक पा निजा न । नम्रा न दामि गसाय दस
 विगानि नय मया निविन यव स दान मामि ॥ ॥ शुन पा नरुकरु
 लिया कं र्क गुन रं मृष्टि रं जैन गगान या धन दन अम गमि

0

Centimeter

5

10

15

20

25

15

मासः यानि जागृति र्थं सा तु र्थं धर्मपुत्रपुत्रपुत्रार्थं अगि स एव न
 याडः समस्त स्य न मान या न गृहलक्ष्मी यं न या कर्क थं थिडय मयानि
 त्वं यडा अने गमान्यपुद विडा र्कः जिन क्रि थु र न म स्का ॥ २२ ॥ द
 वं क व तं व त्र निजु म व दि ग स ग च व ड रु म नि दान व व दि ग स ॥
 ज रु व ना ग म त्र य म्भ त न म स्का ना मि र्ग वि णा व ग त्र उ य त न म

10

5

स्का ना मि ॥ ॥ थ नि द व स म स्का स्य न न म स्का त या ड ग या क व त्र
 न व त्र नि न ज म त्रा जा न ग च व न अ रु न अ वि त्रा क न दौ न व न
 त्रा रु स न ना ग न म त्र य न र्ग न वि णा व न ग त्र उ न थ रु आ
 दि व १२ न म स्का त या ड ग या र्क थ थिडय मयानि त्वं यडा जिन न म
 स्का ॥ २३ ॥ य प थं ग व क र्क र्क व नि ल का न सानि रं व र्क र्क र्क

0

Centimeter

5

10

15

20

25

15

नष्टिस्त्रयकामा॥ आर्यविभुनिवद्रुद्रुविसात्रणगि, यत्रयागिका
 लमायेयस्यनलाकनार्थ॥ ॥ मद्रुद्रुविसात्रणगि, यत्रयागिका
 क्रियेयत्रयिनरुना, ध्रुवयागिकासाकिरुन, सत्रियययिरुन, यमम
 नमनयाकामनादक, स्रुलरु, सत्रियययिरुन, स्रुवत्राम, गवरा,
 मवकुरुन, त्रिथयत्रेनाकस, लोकम्वत्ररुगनाडावदजनियायद

10

5

0

॥ २४ ॥ मकिनीयनीगवनामसहानूरुय, नात्रोदिवारगवनाम
 मनस्रनमि, इष्टस्राप्रविष्टरययाययिनासयंकिरुद्रुद्रुदवसगं,
 मस्रनद्रुयमि॥ ॥ मद्रुद्रुविसात्रणगि, यत्रयागिका
 याडकायवरा, दिनस्रनाडीम, ह्रुलयात्रयानामस्रमननायाकक,
 या, स्रुवसमलिडस्रडा, नानाविष्टरय, स्रुमस्रयापनास्रन, ध्रुवमन

Centimeter

5

10

15

20

25

15

10

सुयौव दयलार्कसमस्तं गात्रवार्त्तं यथा तस्य न लक्ष्यार्त्तं ॥ १५ ॥
 पुनर्निर्गमं प्रसीदन्त्या यौवनाकिर्णं नरदा न केस्य वै धृक्कृत्य जाया
 यकर्म कर्त्तव्यं सत्ये सा तु समाफ ॥ ॐ ॥ ७ ॥ समस्तं च ३३ व
 साकं शुक्लं पुनर्मासिकं दूधं केन नास्तु जगुः सिधय काश्चिन्ना शुभ
 र्गं गन्तव्यं ॥ ७ ॥ शुभ ॥

5

0

Centimeter

5

10

15

20

25

ग अल रं न वि ॥ न क व न्नं न क म ख दि ल ज ॥ न क व लं गी न्य ग
 र द हि न न्न ज ग दारु स म हा वि ल व य ॥ ॥ न मा मि र ज्ज रि म ल न
 य न मं श्व लं श वा म न्न ज म्भूर य म्भू दा व लं य त्या लि ॥ ॥ ज ग
 तं स मा ल्य नार रु ल य सा द जि द्वा वि र ज ग त म न्ना वा क्का ग सि धि रु
 न द हि म ॥ ॥ वं क्वां लु डा स हि तं दू य ति स द लि द वि र न्भ र्थ ना

5

रवन्नेनाममर्गली ॥ सतगुरुचलनवयज्जयसिद्धिमंशर
 द्याराडावलनरिमनाजनमामि ॥ यद्यम्यनतिलिप्तिगव
 जारवाचार्यश्चमृतपरदवविजयानरामजिता ॥
 सवन्नेसिंहाजमस्मिन् ज्ञानदनकरजदोःपक्षेयालुवमहा

10

5

0

Centimeter

5

10

15

20

25

॥ रुरुनयवः जागर्तकानरुचवियलभञ्जुरिशना ॥ ॥
 रनागलपिता ॥ नयचनग्रीमंशकूमानारजसचनकिनन
 संकासनदला ॥ ॥ दवग्रीमंशद्याखंरवनव्यायिताश्लिने
 खगवनदहिनः कलञ्जालिता ॥ ॥ वामकनकः वलसुनाम्
 गुरुनायाशयक्रयतासैनीकासनदला ॥ ॥ दहिनवाम

15

कलं वनु सकल आलि रचु न म म दिववान यहाया ॥ ॥
जो गत न्य वा न नाथ यमा दित लि दया रचु रि मी न सुषरु
न नया न य साया ॥ ॥

10

२० ॥ ॐ न क वि क स म सान वा प्र व न क द ल ग ह पा स ने
तथ क प्र स न्या म ल वि र व ग हा ज न थ त ग ग र स्या मा त र ह वि

5

३ श्रु जिता ८५
कि न र द मा ला ल द द व द स स मा गि क न क त्रा लि न
वि नाय क चा म द्रा वा त हा ह मि रि मि उ मा द वि च स ह वा त्र या र्थ
हृ वि ज या र्थ श्र पा त्रा जि ता ए द का ति मा ला का ति थु त का
लि र्था जा गि निं द्या त ल्पा मा ला ल्पा द स र्पा क पा ति नि
लि म त्र क पा त्र म त्र मा ति न्या र्थ र्था रु सा प त र्था रु सा क व ज

0

यत्वा ग म य

Centimeter 5 10 15 20 25

15

10

5

0

Centimeter

5

10

15

20

25

तस्माच्च न सक्तः आमाहा उखवज्रद्वयमसमाहिका प्रचञ्चकृनि
 भाहातगीर्णवकामान्सागर्भ आगमदतमहातागिवज्रस्रति
 शोभ्यान शोवाहगर्वसिधिनार्डं करव २ वधनर्कश्च खखखा
 दनखदयखदयदानप्रजजमानसर्वविद्यसान्निक्त्तुर्हृद्
 रुगरुतस्माहा ४॥